पूर्वी दिल्ली को मिला एक और ग्रिड, मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

- बीवाईपीएल का 51वां ग्रिड जनता को समर्पित
- 50 करोड़ की लागत से हुआ तैयार
- फ्लाई ऐश डंपयार्ड पर बनाया गया है यह ग्रिड
- ग्रिड की बिल्डिंग में फ्लाई ऐश की ईंटों का इस्तेमाल

नई दिल्लीः 25 जुलाई, 2013। मयूर विहार फेज –3 इलाके में बीवाईपीएल का एक नया ग्रिड बनकर तैयार हो गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने आज इस ग्रिड का उद्घाटन कर, पूर्वी दिल्ली की जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही, यह बीवाईपीएल के बेड़े का 51वां ग्रिड बन गया। 66/11 केवी के इस विश्वस्तरीय ग्रिड को बनाने पर 50 करोड़ रूपये की लागत आई है। यह 75 एमवीए क्षमता वाला ग्रिड है, जो आने वाले दिनों में पूर्वी दिल्ली, खासकर साउथ–ईस्ट दिल्ली के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्रिड के उद्घाटन समारोह में दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री हारून युसुफ, विधायक श्री अंबरीश गौतम, निगम पार्षद श्री राजीव कुमार वर्मा और बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन के नेतृत्व में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इस ग्रिड की एक खास बात यह है कि इसे राख की ढेर पर बनाया गया है। कुछ समय पहले तक यह एक डिस्पोजल साइट था, जहां दिल्ली के कोयला आधारित पावर प्लांट्स से निकलने वाली राख को डिस्पोज किया जाता था। बीवाईपीएल के इंजीनियरों ने इस डंपयार्ड को समतल और फिर ठोस बनाकर, उस पर एक नया ग्रिड बनाया। यही नहीं, इस ग्रिड का कंट्रोल रूम और ग्रिड की नींव बनाने के लिए से राख से बनीं ईंटों का ही उपयोग किया है।

इस ग्रिड से मयूर विहार व पटपड़गंज की कई हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सोसाइटीज, पेपर मार्केट गाजीपुर और स्थानीय सीवर पंपिंग स्टेशन आदि को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इलाके के बड़े स्कूलों और दो फाइव स्टार होटलों को भी विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि मयूर विहार फेज–3 में करीब 300 से अधिक हाउंसिग सोसाइटीज हैं। कुछ बड़ी सोसाइटीज ये हैं–नागार्जुन अपार्टमेंट, ग्लैक्सो अपार्टमेंट, विज्ञापन अपार्टमेंट, समाचार अपार्टमेंट आदि। इसके अलावा, वहां धर्मशिला अस्पताल, शहीद राजगुरू कॉलेज, अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली जल बोर्ड के दो सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स, मेट्रो स्टेशंस और दो फाइव स्टार होटल हैं। इसी इलाके से मोनो रेल गुजरने वाली है। दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ वाली रैपिड रेल भी इस क्षेत्र से जाएगी। और, ईस्ट दिल्ली हाट तो यहां बनने ही जा रहा है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में दिल्ली जल बोर्ड का 9 एमजीडी का एक प्लांट भी शुरू होने वाला है। इन सबको नए ग्रिड से फायदा होगा।

मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने कहा–

तेजी से विकसित हो रहे इस इलाके की आवासीय और व्यावसायिक जरूरतों को यह ग्रिड पूरा करेगा। हमें भरोसा है कि बीवाईपीएल बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में तो अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी ही, साथ ही विभिन्न इलाकों के विकास में भी उसकी बराबर की भागीदारी रहेगी। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर इसलिए जरूरी है, क्योंकि दिल्ली में बिजली की खपत तेजी से बढ़ रही है। आपको आश्चर्य होगा कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति बिजली की सालाना खपत 1651 यूनिट है, जोकि राष्ट्रीय औसत के दुगुने से भी अधिक है।

ऊर्जा मंत्री श्री हारून युसुफ ने कहा–

बिजली हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गई है। मैं बीवाईपीएल को बधाई देता हूं कि अपने इलाके में बढ़ती बिजली मांग के हिसाब से बीवाईपीएल अपने वितरण नेटवर्क को अपग्रेड कर रही है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत 1651 यूनिट है, जो कि राष्ट्रीय औसत के मुकाबले दुगुनी है।

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने कहा–

पूर्वी और मध्य दिल्ली में निर्बाध और विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीवाईपीएल लगातार निवेश कर रही है और, अपने वितरण इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर सुधार भी कर रही है। पूर्वी और मध्य दिल्ली में बाकी दिल्ली के मुकाबले बिजली की मांग में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बीवाईपीएल इलाके में इस साल हमने 6 जून को 11487 मेगावॉट की पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया, जो कि अब तक की सर्वाधिक मांग थी। 2002 में इस इलाके में बिजली की पीक डिमांड 798 मेगवॉट थी।

बीवाईपीएल सीईओ ने कहा कि फिलहाल इस ग्रिड में 25–25 एमवीए के दो पावर ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं, लेकिन इसकी क्षमता 75 एमवीए की है। अगर जरूरत पड़ी तो 25 एमवीए का एक और ट्रांसफॉर्मर यहां लगाया जा सकता है। इस ग्रिड को बनाने का काम, एक साल से भी कम समय में पूरा कर लिया गया, जो अपने आप में एक रेकॉर्ड है। फिलहाल, इस ग्रिड के आने से बीवाईपीएल की वितरण क्षमता में 50 मेगावॉट की और बढ़ोतरी हो गई है।

विश्वसनीय और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और किसी भी आपातकालीन स्थिति से निबटने के लिए, इस ग्रिड में अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। सिस्टम की सुरक्षा के लिए पश्चिमी देशों में इस्तेमाल होने वाले न्यूमैरिकल रिले भी लगाए गए हैं। इस ग्रिड के लिए खासतौर पर अंडरग्राउंड 66 केवी केबलों का इस्तेमाल किया गया है, जो ओवरहेड तारों की तुलना में अधिक कुशलता के साथ काम करेंगे, और उनमें फॉल्ट होने की आशंका भी काफी कम होगी। ग्रिड में जो न्यूमैरिकल रिले लगे हैं, वे फॉल्ट्स को पहचान लेंगे और उचित कदम उठाने के लिए ऑटोमैटिक तरीके से ब्रेकर्स को सिग्नल भेजेंगे। गौरतलब है कि इस ग्रिड में 20 किलोमीटर से भी अधिक लंबाई वाली केबलें बिछाई गई हैं।

नए ग्रिड को स्काडा से जोड़ दिया गया है। इसका फायदा यह होगा कि कंट्रोल रूम में बैठकर ग्रिड के परिचालन पर पैनी नजर रखी जा सकेगी। इससे फॉल्ट्स को ठीक करना आसान होगा और उसमें कम वक्त भी लगेगा।

मयूर विहार फेज थ्री इलाके में बिजली की तस्वीरः

- अब तक इस इलाके को बीवाईपीएल के वसुंधरा और कोंडली ग्रिड स्टेशनों से बिजली मिल रही थी। नए ग्रिड से इलाके के लोगों को और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो पाएगी। साथ ही, गुणवत्तायुक्त वोल्टेज भी मिलेगा। टेक्निकल लॉस में भी कमी आएगी।
- इस इलाके में इस वक्त बिजली की डिमांड करीब 150–160 मेगावॉट है, जबकि बीवाईपीएल की क्षमता इस क्षेत्र में 240 मेगावॉट बिजली वितरित करने की है। नया ग्रिड आने से बीवाईपीएल इस इलाके में 300 मेगावॉट तक बिजली का वितरण कर सकती है।
- वैसे, अगर पूरे मयूर विहार – फेज 1, 2 और 3 – की बात करें, तो वर्तमान में वहां 5 ग्रिड हैं। 66/11 केवी मयूर विहार फेज–1 ग्रिड, 66/11 केवी वसुंधरा ग्रिड, 66/11 कोंडली ग्रिड, 33/11 केवी चिल्ला ग्रिड, और 66/11केवी खिचड़ीपुर ग्रिड। अब नए ग्रिड के आ जाने के बाद मयूर विहार के तीनों फेजों को मिलाकर कुछ 6 ग्रिड हो जाएंगे।
- अभी तक, मयूर विहार फेज 3 इलाके में 11 केवी के 22 फीडर थे। नए ग्रिड के आने से 10 और नए फीडर इसमें जुड़ गए हैं। यानी फेज थ्री में कुल 32 फीडर हो गए। फेज 3 में अभी 248 वितरण ट्रांसफॉर्मर थे, जो अब बढ़कर 272 हो गए हैं।
- मयूर विहार के फेज 1, 2 और 3 को मिलाकर कुल 336 सब–स्टेशन हैं, 533 वितरण ट्रांसफॉर्मर हैं और 28 फीडर भी हैं। नए ग्रिड के आने से इन सब की संख्या में और इजाफा हुआ है और सप्लाई और अधिक विश्वसनीय होगी।

नया ग्रिड मयूर विहार के लिए, बिजली के बैकअप ग्रिड के तौर पर भी काम करेगा। यदि किसी कारणवश वर्तमान ग्रिडों में कोई खराबी आ जाती है, तो मयूर विहार फेज थ्री का यह ग्रिड अपने आप ही काम करना शुरू कर देगा। और, उपभोक्ताओं को बिजली की किल्लत नहीं होने देगा।